Roll No. .....
Signature of Invigilator ……

Paper Code
BD-402

पतंजलि विश्वविद्यालय

University of Patanjali

Examination May – 2018

B. A. Philosophy (Semester: Fourth)

Philosophy

वैशेषिक दर्शन–2

Time: 3 Hours **Max. Marks: 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो तीन (03) खंडों अ, ब, तथा स में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड–अ
(दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'अ' में पांच (05) दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न दिए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पंद्रह अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(3×15=45)**

1. 'इच्छाद्वेषपूर्विका धर्माधर्मयोः प्रवृत्तिः' – इस सूत्र की व्याख्या करें।
2. वैशेषिक दर्शन के सप्तम अध्याय के अध्ययन विषय का विवरण दें।
3. 'अभाव' से आपका क्या आशय है? इसके विभिन्न प्रकारों का वर्णन करें।
4. घ्राणादि पञ्च ज्ञानेन्द्रियां किससे निर्मित हैं? विवेचन करें।
5. 'आत्मकर्मसु मोक्षो व्याख्यातः' – इस सूत्र की विवेचना करें।

खण्ड–ब
(लघु–उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ब' में छः (06) लघु–उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(4×5=20)**

1. वैशेषिक दर्शनानुसार अविद्या की उत्पत्ति कैसे होती है? स्पष्ट करें।
2. दुष्ट ज्ञान और अदुष्ट ज्ञान मे अन्तर बताइए।
3. स्मृति ज्ञान को परिभाषित करें।
4. आत्मा का प्रत्यक्ष कैसे होता है? समझाइए।
5. वेद विहित कर्मों की प्रामाणिकता का कारण स्पष्ट करें।
6. धर्माधर्म में प्रवृत्ति कैसे होती है? समझाइए।

खण्ड–स
(वस्तुनिष्ठ प्रश्न)

नोट : खण्ड 'स' में दस (10) वस्तुनिष्ठ प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आधा अंक निर्धारित हैं। इस खण्ड के **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं। **(10×0.5=05)**

1. अविद्या का स्वरूप है .....
(अ) दोषमुक्त ज्ञान (ब) दोषयुक्त ज्ञान
(स) अ एवं ब दोनों (द) उपर्युक्त में से कोई नहीं

2. शब्द से अर्थ की प्रतीति होती है .....
(अ) अनुभव से (ब) ज्ञान
(स) ईश्वरीय प्रेरणा से (द) उद्यम से

3. वैशेषिक दर्शन (सूत्र) के षष्ठम अध्याय में सूत्रों की संख्या है .....
(अ) 32 (ब) 35
(स) 31 (द) 34

4. रूपादि प्रथम चार गुण है .....
(अ) नित्य (ब) अनित्य
(स) अ एवं ब दोनों (द) उपर्युक्त में से कोई नहीं

5. विभु द्रव्य है .....
(अ) आत्मा (ब) आकाश
(स) अ एवं ब दोनों (द) उपर्युक्त में से कोई नहीं

6. योगी कितने प्रकार के होते हैं?
(अ) तीन (ब) दो
(स) चार (द) पाँच

7. वदों की प्रामाणिकता सिद्ध होती है .....
(अ) ज्ञान प्रधान होने से (ब) साधना प्रधान होने से
(स) तर्क प्रधान होने से (द) ईश्वर का कथन होने से

8. सुख-दुःख की सिद्धि होती है .....
(अ) ज्ञान से (ब) अनुभव से
(स) प्रत्यक्ष और अनुमान से (द) उपरोक्त में से किसी से नहीं

9. परिमाण नित्य द्रव्य में होते हैं .....
(अ) नित्य (ब) अनित्य
(स) अ एवं ब दोनों (द) उपरोक्त में से कोई नही

10. दृष्टांत का अर्थ है .....
(अ) तर्क (ब) उदाहरण
(स) प्रमाण (द) विषय

----------x----------